संक्षिप्त समाचार

दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पर ट्रैफिक स्लो, महामाया फ्लाईओवर पर रेंगते दिखे वाहन

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। दिल्ली-नोएडा बॉर्डर से आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। सोमवार से शुरू हुए किसानों के विरोध मार्च को लेकर दिल्ली-नोएडा सीमाओं पर सुरक्षा के तौर पर लगाए गए बैरिकेडिंग के कारण मंगलवार को भी ट्रैफिक की गति धीमी रही। किसान दादरी-नोएडा लिंक रोड पर महामाया फ्लाईओवर पर इकट्ठा हुए और सोमवार सुबह करीब 11.30 बजे अपना मार्च शुरू किया। भूमि आवंटन और सरकार द्वारा अधिग्रहित उनकी जमीन के लिए बढ़े मुआवजे सहित अन्य मांगों को लेकर वे सरकार पर दबाव बढ़ाना चाहते हैं। विरोध मार्च का आह्वान भारतीय किसान परिषद (बीकेपी) ने किया है। सोमवार को दिल्ली-नोएडा बॉर्डर पार करने वाले यात्रियों को भारी ट्रैफिक जाम के चलते परेशानी हुई। मंगलवार को भी सुरक्षा व्यवस्था के कारण दिल्ली और नोएडा के कुछ हिस्सों में वाहन धीमी गति से चले। नोएडा का बिजी महामाया फ्लाईओवर उन इलाकों में से एक था, जहां ट्रैफिक जाम देखने को मिला। बीकेपी के अनुसार, अलीगढ़ और आगरा समेत उत्तर प्रदेश के 20 जिलों के किसानों ने मार्च में हिस्सा लिया है। विभिन्न किसान समूहों के बैनर और झंडे लेकर सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने नोएडा पुलिस द्वारा लगाए गए शुरुआती बैरिकेड्स को पार कर लिया। कुछ लोग बैरिकेड्स पर चढ़ गए, जबकि अन्य ने उन्हें धक्का दिया। इसके बाद पुलिस ने उन्हें चिल्ला बॉर्डर से करीब एक किलोमीटर दूर नोएडा लिंक रोड पर दलित प्रेरणा स्थल के पास रोक लिया। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शनकारी किसानों को शांत करने की कोशिश की। किसानों के विरोध प्रदर्शन और पुलिस चेकिंग के कारण चिल्ला बॉर्डर, डीएनडी फ्लाईवे, दिल्ली गेट और कालिंदी कुंज से गुजरने वाले यात्री घंटों ट्रैफिक में फंसे रहे। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा (केएमएम) के नेतृत्व में पंजाब के किसानों के एक समूह ने 6 दिसंबर को दिल्ली की ओर मार्च का आह्वान किया है। यह समूह 13 फरवरी से पंजाब और हरियाणा के बीच शंभू और खनौरी सीमा पर डेरा डाले हुए हैं।

दिल्ली में भाजपा भी ला रही मुफ्त सौगातें, केजरीवाल की तीन स्कीमों को अपनाने का प्लान

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। दिल्ली में अपना वनवास खत्म करने को बेकरार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को जहां इस बार आम आदमी पार्टी (आप) के खिलाफ एंटी इंकंबेंसी की आस है तो अरविंद केजरीवाल को परास्त करने के लिए इस बार उनके ही हथियार को अपनाने की तैयारी है। मुफ्त बिजली, पानी और महिलाओं को मुफ्त बस सफर जैसी स्कीमों के जरिए लगातार तीन बार दिल्ली की सत्ता में पहुंची आप से विधानसभा की चौथी जंग में भाजपा मुफ्त पर खूब दांव लगाने जा रही है। भाजपा ने साफ कर दिया है कि यदि वह सत्ता में आई तो दिल्लीवालों को मुफ्त बिजली, पानी और बस सफर की सुविधा मिलती रहेगी। भाजपा ने यह वादा ऐसे समय पर किया है जब केजरीवाल जनता से कह रहे हैं कि यदि भाजपा जीत गई तो मुफ्त वाली स्कीमों को बंद कर देगी। पार्टी के मेनिफेस्टो कमिटी के चेयरमैन और सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सोमवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि यदि भाजपा को विधानसभा में बहुमत मिलता है तो भाजपा मुफ्त बिजली, मुफ्त पानी और महिलाओं के लिए मुफ्त बस सफर जैसी स्कीमों को जारी रखेगी। संकल्प पत्र के लिए सुझाव लेने की शुरुआत करेगी। भाजपा नेता ने कहा कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल और दूसरे पार्टी नेता प्रोपेगेंडा के जरिए लोगों को गुमराह करना चाहते हैं कि भाजपा की सरकार बनी तो मुफ्त वाली स्कीमों को बंद कर दिया जाएगा। बिधूड़ी ने कहा कि ना सिर्फ भाजपा इन योजनाओं को जारी रखेगी बल्कि इनमें सुधार किए जाएंगे। पार्टी के एक नेता ने बताया कि दिल्ली में इन स्कीमों का बड़ा लाभार्थी वर्ग है,।

550 किलोमीटर का ड्रोन सर्वे पूरा; एमसीडी-डीडीए को मिली अवैध निर्माण की तस्वीरें

दिल्ली में अतिक्रमण पर लगेगी लगाम

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। दिल्ली में यमुना के किनारे कितनी अवैध कॉलोनियां हैं इसका पता लगाने के लिए सर्वे ऑफ इंडिया ने पहले चरण में लगभग 550 वर्ग किलोमीटर या शहर के एक तिहाई से ज्यादा हिस्से का ड्रोन सर्वे पूरा कर लिया है। इसकी तस्वीरें दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) और दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के साथ शेयर की हैं। सर्वे में पूरे यमुना ओ जोन की तस्वीरें हैं, जो लगभग 97 वर्ग किलोमीटर में फैला हुआ है। यहां 66 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। अधिकारियों ने बताया कि एजेंसी अब लगभग 111 वर्ग किलोमीटर वाले मॉर्फोलॉजिकल रिज का ड्रोन सर्वे करने की प्रक्रिया में है। इन तस्वीरों से डीडीए की जमीन पर अतिक्रमण की पहचान करने, रिहायशी इलाकों में बनी इमारतों के स्ट्रक्चर और मंजिलों की संख्या निर्धारित करने और राजस्व रिकॉर्ड से सत्यापन के बाद अतिक्रमण हटाने में मदद मिलेगी। अतिक्रमणों की निगरानी करने में भी उपयोगी होंगी। अधिकारियों के अनुसार, डीडीए भूमि की पहचान करने और यह निर्धारित करने के लिए कि जमीन अतिक्रमण मुक्त है या नहीं, ड्रोन द्वारा ली गई तस्वीरों पर कैडस्ट्रल (खसरा) मैप लगाएगा। एक अधिकारी ने कहा, हम पूरे साल नियमित अंतराल पर डीडीए की भूमि पर नए अतिक्रमणों की निगरानी भी करेंगे। हमें सर्वे ऑफ इंडिया से ओ जोन के खसरा लेयर्स की फाइलें मिलीं, और उन्हें क्षेत्र के मैप पर लगाया गया है। रिकॉर्ड से डीडीए और निजी खसरों के सत्यापन की टेबल-टॉप एक्सरसाइज पूरी हो गई है टीओआई की रिपोर्ट के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन सर्वे की शुरुआत एलजी वीके सक्सेना द्वारा लगातार लैंड की जमीनी स्थिति को समझने की जरूरत पर जोर दिए जाने के बाद की गई थी। उन्होंने व्यक्तिगत रूप से तीनों एजेंसियों को एक साथ आने और समझौते पर हस्ताक्षर करने की निगरानी की। अधिकारी ने कहा, इस मामले को विभिन्न अदालतों ने भी उठाया था, जिन्होंने जमीन के मालिकाना हक वाली एजेंसियों को जमीन की वास्तविक स्थिति का पता लगाने के लिए उन्नत तकनीकी समाधान अपनाने का निर्देश दिया था। प्रोजेक्ट के हिस्से के रूप में, ड्रोन सर्वे हाई रिजॉल्यूशन वाली तस्वीरें देगा और स्ट्रक्चर और खसरा लेयर्स की सटीक सीमा निर्धारण में मदद करेगा। अधिकारी ने बताया, परियोजना के हिस्से के रूप में, वर्टिकल अतिक्रमणों की पहचान करने के लिए डेटा एलिवेशन मॉडल का उपयोग किया जा रहा है। यह अतिक्रमणों पर रीयल टाइम डेटा देने में मदद करेगा, जिससे अधिकारियों को शुरुआती चरण में ही अतिक्रमणों के खिलाफ कार्रवाई करने का मौका मिलेगा।

हिंदू लड़की का मुस्लिम संग रिश्ता; राज खोलने पर मार दिए गए प्रदीप और मनोज, दिल्ली में खौफनाक कांड

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। दिल्ली के नारायणा इलाके में मनोज नाम के शख्स की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई। 36 वर्षीय मनोज की शनिवार की गई हत्या उसके परिवार पर छह महीने के भीतर टूटा दूसरा पहाड़ है। इससे पहले मई में मनोज के भाई प्रदीप की भी इसी तरह मौत के घाट उतार दिया गया था। दोनों भाइयों की हत्या महज इस वजह से कर दी गई कि प्रदीप ने एक हिंदू लड़की का रिश्ता मुस्लिम लड़के से होने की बात लड़की के घरवालों से बता दी थी। जब उस लड़के को इस बात का पता चला तो प्रदीप की हत्या कर दी और अब उसके भाई मनोज को भी मार डाला है। मनोज की हत्या के आरोप में पुलिस ने सोमवार को तीन नाबालिग सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मनोज के बड़े भाई प्रदीप की हत्या के आरोप में उनके परिवार के दो नाबालिगों को पुलिस ने पकड़ा था। जिसके बाद आरोपियों का परिवार मनोज के परिवार से रंजिश रखता था। शनिवार रात जब उन्हें आई ब्लॉक में मनोज अकेला मिला तो आरोपियों ने उसकी चाकू से गोदकर हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपियों में मो. अख्तर, मो. मकसूद, जुही खातून और अंगूरी शामिल है। पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि आरोपियों में शामिल एक नाबालिग लड़के की इलाके में ही रहने वाली एक लड़की से दोस्ती थी। प्रदीप को इस बात का पता चला तो उसने लड़की के परिजनों को बता दिया। इस बात से नाराज होकर नाबालिग ने अन्य नाबालिग के साथ मिलकर इसी वर्ष मई माह में प्रदीप की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पकड़ लिया था।

झगड़े के बाद शख्स को मारी गोली, दिल्ली के मंगोलपुरी में मर्डर; मौके पर पुलिस मौजूद

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में मामूली बात पर हुए विवाद के बाद 19 साल के एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना सोमवार देर रात की है और मृतक की पहचान पंकज के रूप में हुई है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं पता कि वे क्यों लड़ रहे थे, लेकिन जब मैंने अपने चाचा (पंकज) को वहां देखा तो बीच-बचाव किया। हमलावरों के पास पिस्तौल थी। उन्होंने उन पर गोलियां चला दीं और भाग गए। पुलिस ने बताया कि उसने प्राथमिकी दर्ज कर ली है और आरोपियों को पकड़ने के लिए कई टीम गठित की हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

बता दें कि पिछले महीने मंगोलपुरी की एक घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आया था। जिसमें पड़ोसियों ने एक युवक पर तेज धारदार हथियार से हमला कर दिया था। उसे गंभीर हालत में अस्पताल भर्ती कराया गया था।

वहीं दूसरी ओर नारायणा इलाके में गत शनिवार रात 36 साल के मनोज की हत्या के आरोप में पुलिस ने सोमवार को तीन नाबालिग सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि मनोज के बड़े भाई प्रदीप की हत्या के आरोप में उनके परिवार के दो नाबालिगों को पुलिस ने पकड़ा था। जिसके बाद आरोपियों का परिवार मनोज के परिवार से रंजिश रखता था। शनिवार रात जब उन्हें आई ब्लॉक में मनोज अकेला मिला तो आरोपियों ने उसकी चाकू से गोदकर हत्या कर दी। गिरफ्तार आरोपियों में मो. अख्तर, मो. मकसूद, जुही खातून और अंगूरी शामिल है।

पुलिस उपायुक्त विचित्र वीर ने बताया कि आरोपियों में शामिल एक नाबालिग लड़के की इलाके में ही रहने वाली एक लड़की से दोस्ती थी। प्रदीप को इस बात का पता चला तो उसने लड़की के परिजनों को बता दिया। इस बात से नाराज होकर नाबालिग ने अन्य नाबालिग के साथ मिलकर इसी वर्ष मई माह में प्रदीप की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने दोनों नाबालिगों को पकड़ लिया था।

दिल्ली में 100 करोड़ में बने नंद नगरी पुल में दरार की वजह भ्रष्टाचार? सीएम आतिशी ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने नंद नगरी रेलवे ओवरब्रिज और रेलवे अंडरपास के निर्माण की जांच के निर्देश दिए हैं, जिसमें निर्माण पूरा होने के एक दशक के भीतर ही बड़ी दरारें आ गई हैं। उन्होंने लापरवाही या भ्रष्टाचार के दोषी पाए जाने वाले अफसरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की। सीएम आतिशी ने मुख्य सचिव को लिखे पत्र में दिल्ली पर्यटन और परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अधिकारियों की घोर लापरवाही को उजागर किया। साथ ही उन पर लोगों की जान जोखिम में डालने और सरकारी खजाने को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया। पत्र में कहा गया है, इस दोषपूर्ण परियोजना को अंजाम देने वाले डीटीटीडीसी और पीडब्ल्यूडी अधिकारियों की घोर लापरवाही ने न केवल सरकारी खजाने को भारी नुकसान पहुंचाया, बल्कि सैकड़ों लोगों की जान भी खतरे में डाल दी। 2011 से 2015 के बीच करीब 100 करोड़ रुपये की लागत से बने इन ओवरब्रिज और अंडरपास में निर्माण पूरा होने के कुछ ही महीनों के भीतर संरचनात्मक संकट दिखने लगा, जिससे भ्रष्टाचार और लापरवाही की गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं।

पत्र में कहा गया है कि एक फ्लाईओवर की औसत उम्र 70 साल से अधिक होती है, लेकिन इन पुलों को कम समय में ही तुरंत मरम्मत की आवश्यकता है। पत्र में आगे कहा गया है कि 2019 की कंसल्टेंसी रिपोर्ट में डेक स्लैब को तुरंत बदलने और भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की सिफारिश के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को टेंडर तैयार करने, ठेका देने और निर्माण कार्य की निगरानी करने वाले सभी अधिकारियों के साथ-साथ परियोजना का मूल्यांकन करने वाली थर्ड पार्टी क्वालिटि कंट्रोल एजेंसी के खिलाफ जांच शुरू करने का निर्देश दिया है। सीएम आतिशी ने कहा, मैं इस मामले पर अपनी सख्त नाराजगी व्यक्त करती हूं और मुख्य सचिव को निर्देश देती हूं कि वे टेंडर तैयार करने, कार्य ठेका देने और 2011-15 में काम की निगरानी करने वाले सभी अफसरों के खिलाफ तुरंत जांच करें। उन्होंने लापरवाही या भ्रष्टाचार के दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों के मास्टरमाइंड हैं मुहम्मद यूनुस, शेख हसीना बोलीं- मेरा तो...

ढाका,03 दिसम्बर (एजेंसी)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं के खिलाफ हिंसा का दौर जारी है। देश में हुए तख्तापलट के बाद से शेख हसीना भारत में है। अब शेख हसीना ने अंतरिम सरकार का नेतृत्व कर रहे मुहम्मद यूनुस पर सामूहिक हत्याओं और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में हो रहे नरसंहार के जिम्मेदार मुहम्मद यूनुस हैं।

न्यूयॉर्क में अवामी लीग के एक कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए,हसीना ने मंदिरों, चर्चों और धार्मिक संगठन इस्कॉन पर लगातार हमलों के लिए यूनुस की आलोचना की। शेख हसीना ने कहा, मुझ पर सामूहिक हत्याओं का आरोप लगाया गया है। लेकिन इन हमलों के मास्टरमाइंड मुहम्मद यूनुस हैं।

शेख हसीना ने कहा कि आज, टीचर्स, पुलिस, नेता सभी पर हमले किए जा रहे हैं। हिंदुओं, बौद्धों और ईसाइयों को निशाना बनाया जा रहा है। 11 चर्च और कई मंदिरों पर हमले किए गए हैं। इस्कॉन पर हमला

किया गया। उन्होंने यूनुस सरकार से सवाल करते हुए कहा, अब बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना क्यों बनाया जा रहा है? पूर्व प्रधान -मंत्री ने दावा किया कि उनके पिता बंगबंधु शेख मुजीबुर्रहमान की तरह ही उनकी भी हत्या करने की योजना थी। हसीना ने कहा कि उन्होंने बांग्लादेश छोड़ दिया क्योंकि वह नरसंहार नहीं चाहती थीं। यूनुस पर शेख हसीना का हमला बांग्लादेश में कट्टरपंथी इस्लामवादियों द्वारा हिंदू समुदाय पर हमलों की लहर के बीच हुआ है। तीन हिंदू साधुओं की गिरफ्तारी ने चिंताएं और बढ़ा दी हैं। छात्रों के हिंसक विरोध प्रदर्शन के बीच हसीना 5 अगस्त को बांग्लादेश से भाग गईं, जिसके बाद मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने देश की कमान संभाली। बांग्लादेश के चटगांव इस्कॉन पुंडरीक धाम के अध्यक्ष चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के बाद हालात बिगड़ते जा रहे हैं। चिन्मय प्रभु की गिरफ्तारी के विरोध में हिंदू समाज के लोग सड़कों पर उतर आए हैं।

2.34 टन कोकीन जब्त, पुलिस ने तय किए 13 लोगों पर आरोप

सिडनी, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने देश के इतिहास में कोकीन की रिकॉर्ड खेप जब्त करने के मामले में 13 लोगों को गिरफ्तार कर उन पर आरोप तय किये हैं। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई संघीय पुलिस (एएफपी) ने ऐलान किया कि उसने एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक गिरोह से जुड़ी जांच के बाद 11 वयस्कों और दो किशोरों को आरोपी बनाया है। इन पर समुद्र के रास्ते उत्तरपूर्वी ऑस्ट्रेलियाई राज्य क्वींसलैंड में 2.34 टन कोकीन आयात संबंधित आरोप लगाए गए है।

बताया जा रहा है कि यह आस्ट्रेलियाई इतिहास में कोकीन की सबसे बड़ी जब्ती है, जिसका अनुमानित मूल्य 760 मिलियन आस्ट्रेलियाई डॉलर (493.6 मिलियन अमेरिकी डॉलर) है। एएफपी और क्वींसलैंड पुलिस सेवा (क्यूपीएस) के अधिकारियों ने शनिवार रात और रविवार तड़के आरोपियों की गिरफ्तारियां की। गिरफ्तार किए गए लोगों में एक जहाज का चालक दल भी शामिल है जो कथित तौर पर क्वींसलैंड में कोकीन आयात करने की कोशिश कर रहा था और कई लोग अवैध ड्रग्स को इकट्ठा करने के लिए तट पर इंतजार कर रहे थे।

एएफपी अदालत में आरोप लगाएगा कि उनमें से एक व्यक्ति एक गैरकानूनी मोटरसाइकिल गिरोह का उपाध्यक्ष भी है। एएफपी कमांडर स्टीफन जे ने एक बयान में कहा, हम जानते हैं कि अपराधी ऑस्ट्रेलिया में ड्रग्स की तस्करी करने के लिए अपनी जान जोखिम में डालने से भी नहीं कतराते।

सेबी की शरण में गौतम अडानी! हेराफेरी का मामला निपटाने के लिए किया आवेदन

नई दिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। अडानी ग्रुप की कई कंपनियों ने पब्लिक शेयरहोल्डिंग से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के एक मामले को निपटाने के लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी से संपर्क साधा है। ग्रुप की चार लिस्टेड कंपनियों पर हेराफेरी के जरिए पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों का उल्लंघन करने का आरोप है। मॉरीशस के एफपीआई इमर्जिंग इंडिया फोकस फंड्स ने पिछले सप्ताह 28 लाख की सेटलमेंट अमाउंट का प्रस्ताव रखा था। सेबी का आरोप है कि यह फंड गौतम अडानी के बड़े सौतेले भाई विनोद अडानी से जुड़ा है। ईटी ने इससे जुड़े दस्तावेजों को देखा है। साथ ही ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज के डायरेक्टर विनय प्रकाश और अंबुजा सीमेंट्स के डायरेक्टर अमीत देसाई ने निपटान राशि के रूप में 3-3 लाख की पेशकश की है। अडानी एंटरप्राइजेज ने भी मामले को निपटाने की मांग की है। ये सेटलमेंट प्रपोजल सेबी के 27 सितंबर के कारण बताओ नोटिस के जवाब में दिए गए थे। सेटलमेंट एप्लिकेशन का मतलब दोष स्वीकार करना या अस्वीकार करना नहीं है। ईटी को चार कंपनियों के आवेदनों के बारे में पता है।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर, 4 पैसे टूटकर 84.76 के स्तर पर पहुंचा

नईदिल्ली, 03 दिसम्बर (एजेंसी)। विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की निरंतर निकासी से निवेशकों की धारणा हुई मंगलवार को शुरुआती कारोबार में रुपया 4 पैसे गिरकर 84.76 रुपये प्रति डॉलर के सर्वकालिक निम्न स्तर पर आ गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि रुपए में गिरावट मुख्य रूप से डोनाल्ड ट्रम्प की ब्रिक्स मुद्रा पर बयानबाजी, यूरोजोन में राजनीतिक अस्थिरता, कमजोर घरेलू आर्थिक संकेतक और विदेशी पोर्टफोलियो में निरंतर निकासी के कारण हुई। नव-निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को धमकी दी कि यदि ब्रिक समूह के देश अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने का प्रयास करेंगे तो उन पर 100 प्रतिशत टैरिफ लगाया जाएगा। इसके अलावा, बाजार सहभागी 6 दिसंबर को आने वाली आरबीआई की मौद्रिक नीति से भी संकेतों का इंतजार कर रहे हैं, जिसमें संभवतः मुद्रास्फीति और विकास के बीच संतुलन पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.75 पर खुला और एक सीमित दायरे में घूमते हुए 84.76 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर को छू गया, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 4 पैसे की गिरावट दर्शाता है। सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 12 पैसे गिरकर 84.72 के सर्वकालिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ। डॉलर सूचकांक, जो छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की ताकत को मापता है, 0.07 प्रतिशत बढ़कर 106.51 पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा कारोबार में 0.18 प्रतिशत बढ़कर 71.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इस बीच, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने सोमवार को संसद में कहा कि मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अन्य प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद रुपया सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक बना हुआ है, जो भारत की मजबूत आर्थिक बुनियाद का संकेत है। उन्होंने कहा कि रुपये के अवमूल्यन का एक मुख्य कारण अमेरिकी डॉलर की व्यापक मजबूती है। उन्होंने कहा, वर्ष 2024 के दौरान, 19 नवंबर 2024 तक डॉलर सूचकांक में लगभग 4.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। हाल ही में, डॉलर सूचकांक 22 नवंबर 2024 को 108.07 के स्तर को छू गया, जो एक वर्ष से अधिक समय में इसका उच्चतम स्तर है, जिससे उभरते बाजार की मुद्राओं पर दबाव बढ़ रहा है। इसके अलावा, मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी चुनाव परिणामों को लेकर अनिश्चितता ने भी मुश्किलें बढ़ा दीं।